राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

वर्ष 14, अंक 195, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

नवागत एसीपी विकास पांडे ने संभाली कमान, नगराम कस्बे का किया पैदल भ्रमण..03

चोटिल श्रेयस अय्यर के लिए क्या-क्या करेगी BCCI? देगी ये सभी सुविधाएं ..04

वोटिंग से पहले बुरे फंसे प्रशांत किशोर, नए खुलासे से मचा हड़कंप, अब क्या करेगी जन सुराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 6 नंबवर को पहले चरण की वोटिंग होने वाली है. हालांकि इस वोटिंग से पहले ही जन सुराज के मुखिया और चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर बड़ी मुसीबत में घिरते दिख रहे हैं. चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में यह बात सामने आई है कि पीके का नाम दो राज्यों पश्चिम बंगाल और बिहार की वोटर लिस्ट में दर्ज है।

इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर का नाम कोलकाता के 121 कालीघाट रोड पते पर दर्ज है. यह वही पता है जहां तृणमूल कांग्रेस (TMC) का मुख्य दफ्तर है. यह इलाका बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में आता है।

बिहार में कहां के वोटर हैं प्रशांत किशोर?

प्रशांत किशोर ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में ञस्स्ट के लिए चुनावी रणनीतिकार के तौर पर काम किया था. उनका मतदान केंद्र वहां सेंट हेलेन स्कूल, बी. रानीशंकारी लेन बताया गया है. वहीं, बिहार के रोहतास जिले में स्थित कोंअर गांव की वोटर लिस्ट में भी उनका नाम दर्ज है. यह प्रशांत किशोर का पैतृक गांव है, जो ससाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत करगहर विधानसभा क्षेत्र में आता है. यहां उनका मतदान केंद्र माध्य विद्यालय, कोंअर है. जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (Representation of the People Act, 1950) की धारा 17 के तहत, किसी भी व्यक्ति का नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज नहीं हो सकता. धारा 18 में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी व्यक्ति एक ही क्षेत्र में दो बार बतौर वोटर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं हो सकता. वोटर अगर अपना निवास बदलता है, तो उसे स्नश्वह्द्ब 8 भरकर पुराने स्थान से नाम हटाने की प्रक्रिया करनी होती है।

टीम PK की सफाई

अखबार के मुताबिक, इस विवाद पर खुद प्रशांत किशोर ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उनकी टीम के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि 'बंगाल चुनाव के बाद प्रशांत किशोर ने बिहार में वोटर कार्ड बनवाया था और बंगाल वाला कार्ड रद्द कराने के लिए आवेदन भी दिया है.' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि बंगाल का नामांकन रद्द हुआ या नहीं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस मामले पर बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने भी कोई टिप्पणी नहीं की।

TMC अंजान, CPM ने पहले ही उठाया था सवाल

भवानीपुर के वार्ड नंबर 73 की स्थानीय पार्षद और ममता बनर्जी की भाभी काजरी बनर्जी ने कहा कि, '121, कालीघाट रोड, तृणमूल कांग्रेस का कार्यालय है. किशोर यहां पार्टी के काम के दौरान आया करते थे. यह नहीं कह सकती कि उन्होंने यहीं से वोटर कार्ड बनवाया था या नहीं.' वहीं, सीपीएम ने दावा किया है कि उसने पिछले साल ही चुनाव आयोग को इस बाबत शिकायत की थी. सीपीएम नेता बिस्वजीत सरकार ने कहा, 'हमने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बताया था कि प्रशांत किशोर यहां के निवासी नहीं हैं, इसलिए उनका नाम वोटर लिस्ट से हटाया जाए।

EC की बड़ी सफाई मुहिम का हिस्सा

चुनाव आयोग ने पूरे देश में वोटर लिस्ट के विशेष सघन पुनरीक्षण (SIR) अभियान चलाने का ऐलान किया है, ताकि ऐसे डुप्लिकेट वोटरों की पहचान की जा सके जिनके नाम दो जगह दर्ज हैं. सिर्फ बिहार में ही इस प्रक्रिया के दौरान 68.66 लाख नाम हटाए गए, जिनमें से 7 लाख वोटर ऐसे थे जो दो स्थानों पर दर्ज पाए गए.

अब क्या करेगी जन सुराज पार्टी?

चुनाव से ठीक पहले इस विवाद ने प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जन सुराज की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. अगर यह साबित होता है कि उन्होंने जानबूझकर दोनों राज्यों में नाम दर्ज करवाया, तो चुनाव आयोग उन्हें अयोग्य घोषित कर सकता है और मामला कानूनी कार्रवाई तक जा सकता है. फिलहाल सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि प्रशांत किशोर वोटर लिस्ट में अपने नाम को लेकर छिड़े इस विवाद पर अब क्या सफाई देंगे?

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरक़रार रखते हुए बंगाल नरेगा फंड पर केंद्र की रोक हटाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (27 अक्टूबर) को पश्चिम बंगाल में 100 दिन की रोज़गार योजना को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ़ कर दिया और कलकत्ता हाईकोर्ट के 18 जून के फैसले के खिलाफ केंद्र की अपील खारिज कर दी, जिसमें पूर्वी राज्य में 1 अगस्त से इस कार्यक्रम को फिर से शुरू करने का निर्देश दिया गया था. ज्ञात हो कि केंद्र ने दिसंबर 2021 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम के तहत बंगाल को धन भेजना बंद कर दिया था, जिसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं, जिनमें फर्जी दावेदार भी शामिल थे, का आरोप लगाया गया था. इस योजना के तहत परियोजनाएं 2022 में राज्य में बंद हो गई. 2023 तक केंद्र सरकार पर राज्य का 7,500 करोड़ रुपये बकाया था, जिसमें से अकेले श्रम मजदूरी 2,744 करोड़ रुपये थे. द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कहा था कि बंगाल में योजना के कार्यान्वयन में कुछ अनियमितताएं हो सकती हैं, लेकिन यह पूरे कार्यक्रम को रोकने और हज़ारों गरीब ग्रामीण परिवारों की आजीविका को नुकसान पहुंचाने का कारण नहीं हो सकता. उसने यह भी कहा था कि केंद्र कथित अनियमितताओं की जांच करने और कानून के तहत आगे बढ़ने के लिए स्वतंत्र है।

सोमवार को जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि उसे उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला है. बंगाल सरकार का दावा है कि अप्रैल 2022 से शुरू होने वाली इस योजना के तहत केंद्र पर उसका लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपये बकाया है. वित्त वर्ष 2021-22 के अंत में इस योजना में भाग लेने वाले राज्य के हज़ारों परिवार अभी भी अपनी मज़दूरी का इंतज़ार कर रहे हैं. तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत भारत का प्रत्येक ग्रामीण परिवार प्रति वर्ष 100 दिनों तक के सवेतन, अकुशल कार्य का हकदार है. परियोजनाओं का निर्णय पंचायत स्तर पर किया जाता है. केंद्र ने बंगाल को मिलने वाली धनराशि रोकने के लिए मनरेगा अधिनियम की धारा 27 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग किया था. धारा 27 कहती है: (1) केंद्र सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार को ऐसे निर्देश दे सकती है जो वह आवश्यक समझे. धारा 27 की उपधारा (2) में प्रावधान है: उपधारा (1) के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, केंद्र सरकार, किसी योजना के संबंध में इस अधिनियम के तहत दी गई निधियों के मुद्दे या अनुचित उपयोग के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त होने पर, यदि प्रथम दृष्टया संतुष्ट हो कि ऐसा कोई मामला है, तो अपने द्वारा नामित किसी एजेंसी द्वारा की गई शिकायत की जांच करा सकती है और यदि आवश्यक हो, तो योजना के लिए फंड जारी करने से रोकने का आदेश दे सकती है और उचित समय के भीतर इसके उचित कार्यान्वयन के लिए उचित उपचारात्मक उपाय कर सकती है।

संक्षिप्त ख़बरें

नीतीश को BJP ने पुतला बना दिया, मैं प्राण देकर भी प्रण पूरा करूंगाः घोषणा पत्र पर बोले तेजस्वी यादव

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की अगुवाई वाली महागठबंधन ने मंगलवार को अपना साझा घोषणा पत्र जारी कर दिया. इस घोषणा पत्र में रोजगार पर खासा फोकस किया गया है. 20 महीने में पक्की सरकारी नौकरी की बात कही गई है. साझा घोषणा पत्र जारी होने के बाद महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और RJD नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया. तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के लोगों ने नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रख दिया है. उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने, भ्रष्ट अधिकारियों ने नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रखा है. बीजेपी के लोग उनके चेहरे का इस्तेमाल कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले ही पुष्टि कर दी कि अब नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बनने नहीं जा रहे. इंडिया गठबंधन ने मुझे मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है, लेकिन आज तक एनडीए की ऐसी कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस या घोषणा नहीं हुई है कि एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा. तेजस्वी ने कहा कि जब अमित शाह ने पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि विधायक दल के नेता मुख्यमंत्री का चुनाव करेंगे. उन्होंने नीतीश जी का नाम नहीं लिया।

'प्राण देकर भी प्रण पूरा करूंगा'

तेजस्वी ने आगे कहा कि हमें बिहार में सरकार ही नहीं, बल्कि बिहार को बनाना है. हमने जनता के सामने हमेशा अपना विजन रखा है और आज 'संकल्प पत्र' बिहार के सामने रख रहे हैं. हमने प्रण लिया है कि बिहार को नंबर 1 बनाएंगे. ये दलों और दिलों का संकल्प है. इन संकल्पों को पूरा करने के लिए अगर हमें जान की बाजी भी लगानी पड़े, तो लगा देंगे. मैं अपना प्राण देकर भी प्रण पूरा करूंगा।

वृंदावन में अद्भुत आस्था: महिला ने प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य लाभ के लिए रखा छठ व्रत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर जहां महिलाएं अपने परिवार की खुशहाली और उन्नति के लिए व्रत रखती हैं, वहीं उत्तर प्रदेश के वृंदावन में इस बार एक अलग ही दृश्य देखने को मिला। यहां एक महिला ने अपने परिवार के साथ-साथ प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य लाभ के लिए व्रत रखकर विशेष पूजा-अर्चना की।

प्रेमानंद महाराज के लिए रखा व्रत

वृंदावन के राम जानकी घाट पर आयोजित छठ पर्व के दौरान बिहार निवासी सोनम पांडे, जो इस समय वृंदावन में रह रही हैं, ने प्रेमानंद महाराज की तस्वीर लेकर यमुना तट पर सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। उन्होंने कहा, "मैंने यह व्रत महाराज जी के

अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए रखा है। मेरी छठ मैया से यही प्रार्थना है कि वे जल्दी स्वस्थ हों और हमें उनके दर्शन लगातार मिलते रहें। वे ब्रजभूमि के अनमोल रत्न हैं।"

तस्वीर लेकर दी सूर्य को अर्घ्य

पूजा के दौरान सोनम पांडे ने प्रेमानंद महाराज की तस्वीर हाथ में लेकर सूर्य को अर्घ्य दिया और यमुना तट पर परिक्रमा लगाई। उनका यह भक्ति भाव देखकर वहां मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। छठ पूजा की यह तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

श्रद्धा का अनूठा उदाहरण

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर देशभर में भक्त चिंतित हैं। जहां मंदिरों और दरगाहों में उनके लिए प्रार्थनाएं की जा रही हैं, वहीं सोनम पांडे द्वारा छठ जैसे पारंपरिक पर्व पर उनके लिए व्रत रखना आस्था और भक्ति का अद्भुत उदाहरण माना जा रहा है। वृंदावन के स्थानीय लोगों ने कहा कि यह दृश्य दिखाता है कि महाराज के प्रति लोगों की श्रद्धा सीमाओं से परे है, जाति, धर्म और परंपराओं से ऊपर उठकर लोग उनकी सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

सही या गलत, समय बताएगा..., यूपी SIR पर बोला काशी का अस्सी, कहा...विपक्ष का काम ही राजनीति करना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वाराणसी- बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची को पूरी तरह साफ और हर पात्र का नाम शामिल करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग का बड़ा अभियान शुरू हो रहा है. यूपी में 28 अक्टूबर से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का काम शुरू होगा. साल 2003 के बाद यह अभियान चलाया जा रहा है. SIR को लेकर पॉलिटिकल पार्टियां राजनीति करने में जुट गई हैं. इन सबके बीच जनता क्या कहती है, ये जानने के लिए स्थ्ष्ड्डद्य 18 की टीम ग्राउंड जीरो पर पहुंची. वाराणसी के अस्सी घाट स्थित पप्पू की अड़ी पर बैठे लोगों से लोकल 18 ने बातचीत की. सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि SIRका काम बहुत आवश्यक था और इसे बहुत पहले ही लागू हो जाना चाहिए था. चुनाव आयोग जिस पारदर्शिता के साथ चुनाव कराना चाहता है, उसके लिए ये बहुत जरूरी है. सुनील बताते हैं कि उनके मृत पिता का नाम मतदाता सूची के हटाने के लिए उन्होंने खुद कई बार एप्लिकेशन दिया, लेकिन नाम नहीं हटा. ऐसे में इस प्रकिया से वोटर लिस्ट की गड़बड़ी को दूर किया जा सकेगा।

बूथ पर दिखता है सच

अशोक पांडेय ने कहा कि चुनाव आयोग देश में पूरे पारदर्शिता के साथ चुनाव कराना चाहती है. उसके लिए SIR का होना जरूरी है. जहां तक मुझे जानकारी है कि इस प्रकिया से उन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटेंगे, जो गलत तरीके से लिस्ट में शामिल हैं. अक्सर बूथ पर देखा भी जाता है कि जो लोग इस दुनिया में नहीं हैं, उनके नाम भी कई बार वोटर लिस्ट में शामिल रहते है. कुछ लोगों के नाम दो जगह भी होते हैं. ऐसे में इस प्रकिया से उन त्रुटियों को दूर किया जा सकेगा।

बिहार में भी हुआ था यही

दीनबंधु तिवारी ने बताया कि स्ढ्क्रहोना तो चाहिए, लेकिन सरकार और अफसरों को इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ग्राउंड स्तर पर बीएलओ इस काम को ठीक ढंग से कर रहे हैं या नहीं. मतदाता सूची में सुधार के नाम पर सही व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटना चाहिए. बाकी विपक्ष का काम है हर मुद्दे पर राजनीति करना, वो कर भी रहे हैं. बिहार में भी ऐसा ही देखने को मिला. हालांकि इसका बहुत असर जनता पर नहीं पड़ता है. पुनीत कुमार ने कहा कि SIR पर सही और गलत क्या है, ये तो आने वाले दिनों में पता चल जाएगा. लेकिन यह सरकार सबकुछ अपनी मनमर्जी से कर रही है. सारी एजंसियां और सारे अफसर एक पार्टी के लिए काम कर रहे हैं. ऐसा प्रतीक हो रहा है।

4 बाइकें, 6 सिलेंडर- जयपुर की बस में रखा था 'जिंदा जलने' का इंतजाम, आग लगने से 2 की मौत; 12 से ज्यादा झुलसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा स्थित मनोहरपुर थाना इलाके के टोडी गांव में मजदूरों से भरी एक बस हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से करंट की चपेट में आ गई. हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन मजदूर झुलस गए. जानकारी के मुताबिक, मजदूरों से भरी बस यूपी से मनोहरपुर के टोडी स्थित ईट-भट्टे पर आई थी. रास्ते में बस ऊपर से गुजर रही 11 हजार हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई, जिससे बस में करंट फैल गया और स्पार्किंग से आग लग गई।

5 मजदूरों को जयपुर रेफर कर दिया गया

घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरातफरी का माहौल हो गया. सूचना पर मनोहरपुर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को शाहपुरा उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया. गंभीर रूप से झुलसे पांच मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया. सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया. पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया और घटना की जांच शुरू कर दी।

बस में 77 सवारियां थीं सवार

वहीं हादसे की जांच-पड़ताल के दौरान कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई. बस में मजदूरों की जिंदगियों को उजाड़ने का सामान रखा था. बस में चार बाइक और छह सिलेंडर रखे थे. आग लगने के बाद

तीन सिलेंडर एक के बाद एक फटे, जिससे पूरी बस आग की चपटे में आ गई और जलकर राख हो गई. वहीं बाइकें भी जल गई. हादसे के दौरान बस में बैठे सवारियों ने पूरे हादसे की जानकारी दी. सवारियों ने बताया कि धमाके के बाद आग लगते ही बस का ड्राइवर तुरंत भाग खड़ा हुआ. बस में कुल 77 सवारियां सवार थीं, जो बस की कैपेसिटी से बहुत ज्यादा थीं।

डबल डेकर स्लीपर बस में लगी आग

बिजली विभाग ने बताया कि जिस बस में यह हादसा हुआ, वह डबल डेकर स्लीपर बस थी और उसके ऊपर गैस सिलेंडर और बाइकें रखी हुई थीं. साथ ही अन्य घरेलू सामान भी था, जिनके तारों के संपर्क में आने के कारण आग लगने से यह हादसा हुआ. संबंधित 11 केवी फीडर पर स्थापित ब्रेकर के ट्रिप हो जाने से बिजली आपूर्ति तुरंत बंद हो गई थी।

UP नंबर की रजिस्टर्ड बस

DTO शाहपुरा यशपाल सिंह यादव ने बताया कि बस का मालिक यूपी का ही है. गाड़ी भी यूपी नंबर से रजिस्टर्ड है. जांच में पाया गया कि यह बस पहली बार राजस्थान आई है. मुकदमे को लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है. बस की आरसी कैंसिल करेंगे. बस चलने लायक नहीं है. ड्राइवर का लाइसेंस कैंसिल करेंगे।

15 दिन में बस में आग की बड़ी घटनाएं

14 अक्टूबर: जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई थी. इस हादसे में 28 यात्रियों की मौत हो गई थी।

24 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एसी बस से बाइक टकराने के बाद आग लग गई थी. हादसे में 20 लोगों की जलकर मौत हो गई. 19 यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई।

25 अक्टूबर: एमपी के अशोकनगर जिले में शनिवार रात बस में आग लग गई. यह शिवपुरी जिले के पिछोर से इंदौर जा रही थी. बस पूरी तरह जल गई. इसमें इंदौर जाने वाले यात्री सवार थे. बस में सवार एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर ने कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला. हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

26 अक्टूबर: यूपी के लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे पर चलती AC बस का टायर फट गया. इसके बाद बस में आग लग गई. बस में 70 यात्री सवार थे, सभी बाल-बाल बचे।

महाराष्ट्र- उद्धव के एनाकोंडा वाले बयान पर भड़की BJP,ठाकरे को बताया अजगर, कहा- अपने ही दल को निगल गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है. शिवसेना (यूबीटी) पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गृहमंत्री अमित शाह को एनाकोंडा कहा. इस बयान से भड़की बीजेपी ने पलटवार करते हुए उद्धव को ठाकरे को अजगर बताया. यानी अब सूबे की सियासत में एनाकोंडा वर्सेस अजगर की जंग छिड़ गई है.

महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने उद्धव ठाकरे ने पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उद्धव पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं. वो निराशा में डूबे हुए हैं. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद, उनका मानसिक संतुलन दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है. उन्होंने कहा कि इसी मानसिक स्थिति में उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर ज़हर उगला है।

'उद्धव ठाकरे घर में बैठे एक अजगर हैं'

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बावनकुले ने कहा 'एनाकोंडा कहने वाले उद्धव ठाकरे को पहले खुद को आईने में देखना चाहिए, क्योंकि वो खुद अपने घर में बैठे एक अजगर हैं जो बस झूठ बोलता है और दूसरों की मेहनत पर फुफकारता है'. उन्होंने कहा 'केंद्रीय मंत्री अमित शाह देश भर में घूम-घूम कर संगठन का निर्माण करते हैं, राजनीति को दिशा देते हैं और अनुच्छेद 370 को हटाकर इतिहास रचते हैंऔर उद्धव ठाकरे घर बैठे सिर्फ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की आलोचना करते हैं'।

'अजगर ने अपनी ही पार्टी को निगल लिया'

इसके आगे उन्होंने कहा 'इस (उद्धव ठाकरे) अजगर ने अपनी ही पार्टी को निगल लिया, अपने ही कार्यकर्ताओं को निगल लिया और पूज्य बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा को भी निगल लिया. 25 साल तक इसने मुंबई को अपने कब्जे में रखा और अब वही अजगर दूसरों पर आरोप लगा रहा है'।

'अपना वजूद साबित करने के लिए ऐसे बयान दे रहे'

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष ने कहा 'उद्धव ठाकरे अपनी आलोचना में बेहद निचले स्तर पर गिर गए हैं. हम उस स्तर तक कभी नहीं गिर सकते. यह तय है कि आगामी स्थानीय स्वशासन चुनावों में उनकी पार्टी की हार होगी, और वह यह बात अच्छी तरह जानते हैं. इसलिए अपना वजूद साबित करने के लिए वह ऐसे बेतुके बयान दे रहे हैं'. उन्होंने कहा 'उद्धव ठाकरे से बस इतना ही कहना चाहता हूं कि आपके अपने कार्यकर्ता आपकी विकृत राजनीति से तंग आ चुके हैं. वह दिन दूर नहीं जब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और पाएंगे कि कोई भी आपके साथ खड़ा नहीं है'।

'मुंबई को उद्धव ठाकरे जैसे अजगर ने तो निगला'

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुंबई को तो उद्धव ठाकरे जैसे अजगर ने तो निगला है. यह दिनभर सोता है और खाता है इन्होंने पूरे मुंबई को खा डाला है. उन्होंने कहा कि जिन अमित शाह ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारे देश से आतंकवाद खत्म करने के लिए प्रयत्न किया माओवाद खत्म करने के लिए जिस प्रकार से काम किया है. आतंकवादियों को घर में घुसकर मारा है. अगर उनको एनाकोंडा कहेंगे तो एनाकोंडा अजगर तो यह लोग हैं इन्होंने 40 साल में मुंबई खा डाला. बावनकुले ने कहा कि इन्होंने तो खुद की पार्टी भी नहीं रखी वह भी खा ली. शिवसेना के हक को भी खा लिया. उन्होंने कहा कि अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को गलत बोलने से वोट नहीं मिलगें. उन्होंने कहा कि इन्हें मालूम है कि आने वाले चुनाव में ये घर जाने वाले हैं और 51% की लड़ाई हम जितने वाले हैं. हमारा गठबंधन जीतने वाला है. उन्होंने कहा कि इसीलिए अभी से गाली देकर अपनी साख बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे ने क्या कहा था

दरअसल शिवसेना (यूबीटी) पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और उनके बेटे विधायक आदित्य ठाकरे ने बीते सोमवार (27 अक्टूबर) को वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला था. उद्धव ने कहा था कि अगर चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को दूर नहीं करता है, तो विपक्ष को मिलकर फैसला करना होगा कि वो स्थानीय निकाय चुनाव होने देंगे या नहीं. इस दौरान उन्होंने अमित शाह को एनाकोंडा कहा था।

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनैतिक भविष्य भी तै करेगा। बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाक्रम अभूतपूर्व रहा।जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं। एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि, नीतीश कुमार के दल-बदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर कुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे कुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिंता का विषय है। नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निर्विवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (CPI, CPI-ML) शामिल हैं। महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के 'रोजगार और विकास' के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो 'डबल इंजन' सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला 'युवा और विजनरी' नेता की छवि से कर रहे हैं। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 C' (कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन) फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (HAM) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो क्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। इंडिया जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है। यादव-मुस्लिम (MY) समीकरण राजद का पारंपरिक आधार है, जबकि NDA कुर्मी-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है। यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए 'जंगलराज' के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे 'डबल जंगलराज' कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा NDA सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है। दोनों गठबंधन राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने-अपने दावों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती सर्वे (2025 की शुरुआत में) NDA को बढ़त दिखाते रहे हैं, लेकिन तेजस्वी की ताबड़तोड़ रैलियों और महागठबंधन के जमीनी प्रचार ने मुकाबला काँटे की टक्कर में बदल दिया है। बिहार का चुनावी परिणाम बहुत हद तक काँटे की टक्कर में फंसा हुआ दिखता है, जहाँ जीत-हार का फैसला कुछ ही सौ वोटों के अंतर से हो सकता है (जैसा कि 2020 में हिल्सा जैसी सीटों पर हुआ था)।

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव उनकी राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की क्षमता की सबसे बड़ी परीक्षा है। तो यह चुनाव नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत पर एक जनमत संग्रह भी होगा, जिनके बार-बार पाला बदलने की आलोचना हो रही है। एनडीए के भीतर, यह भाजपा की ताकत को भी परखेगा कि क्या वह अपने सहयोगियों पर निर्भरता कम करके खुद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित कर सकती है। इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।'जन सुराज पार्टी' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मकसद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। देखना है कि बिहार की राजनीति में यह कितना परिवर्तन लाने में सफल होते हैं। संक्षेप में, बिहार 2025 का चुनाव स्थिरता बनाम परिवर्तन, अनुभव बनाम युवा ऊर्जा, और पुराने जातिगत आधार बनाम नए आर्थिक विमर्श के बीच का संघर्ष है। मतगणना के दिन तक, राज्य की 243 सीटों पर अनिश्चितता का माहौल बना रहेगा।

अशोक मधुप

श्रम से ही जीवन सार्थक एवं सफल सफलता का भावार्थ धन दौलत संग्रहण नहीं

ऋषि मुनियों ने कहा है श्रम से ही जीवन सार्थक होता है श्रम मनोबल संयम और तब जीवन के तत्व गुण हैं और इन्हीं से मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव प्राप्त होता है। सफलता रातों रात नहीं मिलती,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द ख़त्म भी हो सकती है। इसिलए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है,और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है,जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है। और और सफलता का भावार्थ धन संग्रहण अथवा दौलत प्राप्ति ही कभी नहीं हो सकती।सफलता का सदैव तात्पर्य एक अच्छा और संवेदनशील मनुष्य का होना ही है। वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए। भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है। एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है।असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है।

एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है। तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है। व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं। आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है। अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं।

वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा। यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते ह। ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है,। नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं। यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है। हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है।

जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है। उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है। सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें।

इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा। प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है। यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता ह। ऐसे में काम की सफलता की

गुंजाइश कम हो जाती है। और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है,। यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता7 अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता है7सामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने7 आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे। आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है।यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है। मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी। मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे।, आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए। अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है।

क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे7 अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेंगे इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले। और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे। किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं।, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है ।

ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी। शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है। संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है। और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है।

यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता,इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं,अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली,विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है,अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रिय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महँ राष्ट्र की नीव राखी जासकती है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

एनिमेशनः वह भाषा जो दिल से बोलती है

चित्रों में जीवन, रेखाओं में भावनाएँ: एनिमेशन का जादू

हर फ्रेम में एक दुनिया, हर रंग में एक कहानी

जब रंगों की लहरें स्क्रीन पर थिरकती हैं और सपनों की दुनिया सजीव हो उठती है, तब जन्म लेता है एनिमेशन का वह जादू, जो समय और स्थान की सारी सीमाएँ लाँघ जाता है। यह केवल चित्रों की गति नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कृतियों और मानवीय संवेदनाओं का एक ऐसा संगम है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक को मंत्रमुग्ध कर देता है। हर साल 28 अक्टूबर को विश्व एनिमेशन दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो इस कला के प्रति जुनून, रचनात्मकता और सम्मान को उजागर करता है। 1892 में एमिल रेनॉड के थिएटर ऑप्टिक के पहले प्रदर्शन की याद में शुरू हुआ यह दिन, उस ऐतिहासिक क्षण को जीवंत करता है, जब गतिमान चित्रों ने दर्शकों को एक नई दुनिया की सैर कराई। यह कहानी 28 अक्टूबर 1892 से शुरू होती है, जब फ्रांसीसी आविष्कारक एमिल रेनॉड ने पेरिस के ग्रेविन म्यूजियम में अपनी रचना "पोव्र पियेरो"C को थिएटर ऑप्टिक के जरिए दुनिया के सामने पेश किया। यह विश्व का पहला एनिमेटेड फिल्म प्रदर्शन था, जिसने चलचित्रों के युग से पहले ही एनिमेशन को एक स्वतंत्र कला के रूप में स्थापित कर दिया। रेनॉड का यह नवाचार केवल तकनीक की जीत नहीं था, बल्कि मानव कल्पना की उड़ान थी, जिसने कागज की रेखाओं को जीवंत कर दिखाया। 20वीं सदी में एनिमेशन ने नई ऊँचाइयों को छुआ–1914 में विंसोर मैके की "गर्टी द डायनासॉर" ने कहानी कहने का नया आयाम जोड़ा, तो 1928 में वॉल्ट डिज़्नी की "स्टीमबोट विली" ने मिकी माउस के साथ ध्वनि युक्त एनिमेशन की शुरुआत की। इन मील के पत्थरों ने एनिमेशन को वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली माध्यम बनाया। 2002 में इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म एसोसिएशन (एएसआईएफए) द्वारा शुरू किया गया विश्व एनिमेशन दिवस, इस कला को बढ़ावा देने और इसके रचनाकारों को सम्मान देने का एक मंच है। यह दिन केवल एनिमेटर्स के लिए नहीं, बल्कि हर उस शख्स के लिए खास है, जो इस जादुई दुनिया से प्रेरित होता है। एनिमेशन केवल बच्चों का मनोरंजन नहीं; यह एक ऐसा माध्यम है, जो जटिल सामाजिक मुद्दों को सरलता और संवेदनशीलता से व्यक्त करता है। जापान की स्टूडियो घिबली की फिल्में, जैसे "स्पिरिटेड अवे" और "ग्रेव ऑफ़ द फायरफ्लाइज", युद्ध, पर्यावरण और मानवीय रिश्तों जैसे गंभीर विषयों को गहराई से पेश करती हैं। ये रचनाएँ न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि दर्शकों को गहरे चिंतन के लिए प्रेरित भी करती हैं। एनिमेशन की दुनिया रंगों, रूपों और कल्पना का एक अनूठा उत्सव है। पारंपरिक 2-डी एनिमेशन, जैसे डिज़्नी की कालजयी कृति "स्नो व्हाइट एंड द सेवन ड्वार्फ़्स", ने इस कला को जन-जन तक पहुँचाया। फिर 1995 में पिक्सर की "टॉय स्टोरी" ने 3-डी एनिमेशन का युग शुरू किया, जो पहली पूर्ण 3-डी फिल्म के रूप में इतिहास रच गई। स्टॉप-मोशन की जादुई दुनिया, जैसे "वॉलेस एंड ग्रोमिट", ने मूर्तियों और मॉडल्स के जरिए अनोखा आकर्षण बिखेरा। आज, मोशन ग्राफिक्स और विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) ने विज्ञापन, सिनेमा और गेमिंग में क्रांति ला दी है। भारत में "बाहुबली" और "आरआरआर" जैसी फिल्मों में वीएफएक्स का शानदार उपयोग इसकी ताकत का प्रतीक है। साथ ही, जापानी एनीमे और भारतीय एनिमेशन जैसे "छोटा भीम" ने सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर चमकाया, जो इस कला की असीम संभावनाओं को उजागर करता है। भारत में एनिमेशन उद्योग तेजी से उभर रहा है, लेकिन इसे और पंख लगाने की जरूरत है। "छोटा भीम", "मोटू-पतलू" और "हनुमान" जैसे शो ने भारतीय बच्चों के दिलों में जगह बनाई, मगर वैश्विक मंच पर भारतीय एनिमेशन की पहचान अभी उभर रही है। भारतीय स्टूडियो, जैसे टून बूम और माया एंटरटेनमेंट, ने "द लायन किंग" और "एवेंजर्स" जैसे हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह भारतीय रचनात्मकता की ताकत का सबूत है। फिर भी, शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वतंत्र रचनाकारों को प्रोत्साहन के जरिए भारतीय एनिमेशन नई ऊँचाइयों को छू सकता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की कहानियों को गूँजने का अवसर देगा। एनिमेशन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का एक सशक्त माध्यम है। "ज़ूटोपिया" जैसी फिल्में नस्लवाद और भेदभाव जैसे जटिल मुद्दों को बच्चों के लिए सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती हैं। "कोको" और "मोआना" सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाती हैं, तो "प्रिंसेस मोनोनोके" पर्यावरण संरक्षण का गहरा संदेश देती है। भारत में, "छोटा भीम" जैसे एनिमेटेड शो बच्चों को नैतिक मूल्य और सांस्कृतिक गौरव सिखाते हैं, जो समाज को जोड़ने और प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कला न केवल मन को छूती है, बल्कि दिलों को बदलने की ताकत रखती है। एनिमेशन का भविष्य तकनीकी नवाचारों के साथ और भी चमकदार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग ने रचनात्मक प्रक्रिया को तीव्र और सुलभ बनाया है।

एआई-आधारित टूल्स, जैसे ऑटोमेटेड रेंडरिंग और रोटोस्कोपिंग, ने लागत घटाकर छोटे स्टूडियो और स्वतंत्र रचनाकारों के लिए नए द्वार खोले हैं। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) ने एनिमेशन को इंटरैक्टिव बनाया, जहाँ दर्शक कहानी का हिस्सा बन जाते हैं। वीआर-आधारित अनुभव गेमिंग और शिक्षा में क्रांति ला रहे हैं, जबकि ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर जैसे ब्लेंडर ने रचनात्मकता को लोकतांत्रिक बनाया, जिससे हर कोई अपनी कहानी को स्क्रीन पर जीवंत कर सकता है। 28 अक्टूबर का विश्व एनिमेशन दिवस उस जादुई शक्ति का उत्सव है, जो सपनों को हकीकत में बदलती है। यह उन अनगिनत एनिमेटर्स, लेखकों और तकनीशियनों को श्रद्धांजलि है, जिनकी रचनाएँ हमें हँसाती, रुलाती और प्रेरित करती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एनिमेशन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो समाज को जोड़ती और बदलती है। इस दिन रंगों और रेखाओं के उस जादू को सेलिब्रेट करें, जो हमें नई दुनियाओं की सैर कराता है। क्योंकि, जैसा कि एनिमेशन सिखाता है–सपने तब तक असंभव नहीं, जब तक आप उन्हें साकार करने की हिम्मत रखते हैं।

प्रो. आरके जैन

भारत में बेरोज़गारी का बढ़ता संकट

भारत में बेरोज़गारी आज के समय की सबसे गंभीर सामाजिक-आर्थिक समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल आर्थिक विकास की गति को प्रभावित करती है, बल्कि समाज की स्थिरता, युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। बेरोज़गारी का अर्थ केवल नौकरी का न मिलना नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता भी है, जो देश के कार्यशील जनसंख्या को उपयोग में नहीं ला पा रही। एक ओर भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, तो दूसरी ओर यही युवा वर्ग रोजगार के अवसरों की कमी से सबसे अधिक प्रभावित है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कुल बेरोज़गारी दर लगभग 5.1% के आसपास है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 4.5% है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5% तक पहुँच जाती है। युवा वर्ग, विशेष रूप से 15 से 29 वर्ष के बीच के युवाओं में बेरोज़गारी दर लगभग 13.8% है, जिसमें महिलाओं की दर पुरुषों से थोड़ी अधिक है। महिलाओं के लिए यह आंकड़ा 14.4% है जबकि पुरुषों के लिए 13.6%। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि बेरोज़गारी अब भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है, विशेषकर तब जब देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए था। भारत में बेरोज़गारी के पीछे अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है जनसंख्या का अत्यधिक दबाव। देश की कार्यशील आयु वाली आबादी हर वर्ष करोड़ों की संख्या में श्रम बाजार में प्रवेश कर रही है, जबकि इतने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर नहीं बन रहे। इस स्थिति ने प्रतिस्पर्धा को इतना तीव्र बना दिया है कि योग्य लोग भी नौकरी पाने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। दूसरा बड़ा कारण शिक्षा और कौशल में असंतुलन है। हमारे शिक्षा संस्थान अभी भी ऐसे पाठ्यक्रम चला रहे हैं जो औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। विद्यार्थी डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं, पर उनके पास वह व्यावहारिक ज्ञान या तकनीकी दक्षता नहीं होती जिसकी मांग आधुनिक उद्योगों में है। यही कारण है कि स्नातक और परास्नातक युवाओं में बेरोज़गारी दर अपेक्षाकृत अधिक पाई जाती है। कृषि क्षेत्र में रोजगार का स्वरूप भी इस समस्या को बढ़ाता है। भारत की बड़ी आबादी अब भी कृषि पर निर्भर है, जो मौसमी और अस्थिर व्यवसाय है। फसल के बाद के महीनों में लाखों किसान और मजदूर बेरोज़गार हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन और मौसम की अनिश्चितता ने कृषि को और भी असुरक्षित बना दिया है। उद्योग और सेवा क्षेत्र भी उतनी तेजी से विस्तार नहीं कर पा रहे जितनी आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने से नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ी है। तकनीकी प्रगति और ऑटोमेशन का प्रभाव भी इस संकट को गहरा कर रहा है। जहाँ मशीनें, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारंपरिक नौकरियों की जगह ले रही हैं, वहीं नयी पीढ़ी के पास उन तकनीकी कौशलों की कमी है जिनसे वे इन बदलते हालातों में खुद को ढाल सकें। यह ÷तकनीकी बेरोज़गारी÷ का नया रूप है, जो न केवल श्रमिक वर्ग बल्कि शिक्षित युवाओं को भी प्रभावित कर रहा है। महिलाओं के रोजगार की स्थिति भी चिंता का विषय है। यद्यपि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएँ लगातार आगे बढ़ रही हैं, फिर भी उनकी श्रम भागीदारी दर अब भी बहुत कम है। सामाजिक मानदंड, असुरक्षित कार्यस्थल और घरेलू जिम्मेदारियाँ उन्हें कार्यक्षेत्र से दूर रखती हैं। अप्रैल 2025 में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर मात्र 26% थी, जबकि पुरुषों की लगभग 58%। यह अंतर न केवल लैंगिक असमानता को दर्शाता है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता के ह्रास का संकेत भी है। बेरोज़गारी के दुष्परिणाम बहुआयामी हैं। यह केवल आर्थिक हानि नहीं, बल्कि सामाजिक अस्थिरता का भी कारण है। जब युवा वर्ग रोजगार से वंचित रह जाता है, तो उसमें असंतोष, निराशा और हताशा जन्म लेती है। यह मानसिक तनाव, आत्महत्या और अपराध दर में वृद्धि का कारण बनता है। बेरोज़गारी सामाजिक असमानताओं को और गहरा करती है क्योंकि जिनके पास पूँजी और अवसर होते हैं, वे लाभान्वित होते रहते हैं, जबकि गरीब और पिछड़े वर्ग और अधिक हाशिये पर चले जाते हैं। पलायन, पारिवारिक विघटन और सामाजिक अशांति जैसी समस्याएँ इसी का परिणाम हैं। इन जटिल परिस्थितियों से निपटने के लिए बहुस्तरीय और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा और कौशल विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करना होगा ताकि युवा बदलते रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुरूप अपने आप को तैयार कर सकें। सरकार की "स्किल इंडिया" जैसी योजनाएँ इस दिशा में कारगर हो सकती हैं, यदि इन्हें ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है–स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना। केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहना संभव नहीं। यदि युवाओं को स्टार्टअप्स, लघु और कुटीर उद्योगों में प्रोत्साहन दिया जाए, तो वे स्वयं के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार सृजित कर

सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योग, जैसे हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि-आधारित उद्यम, बड़ी संभावनाएँ रखते हैं। कृषि क्षेत्र में सुधार भी अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक तकनीक, सिंचाई सुविधाएँ, फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्योगों का विकास करके इस क्षेत्र को स्थायी रोजगार का स्रोत बनाया जा सकता है। साथ ही, औद्योगिक विकास को भी रोजगार-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रोत्साहित करना होगा। विदेशी निवेश, विनिर्माण हब और नई औद्योगिक नीतियाँ तभी सार्थक होंगी जब वे रोजगार सृजन की दिशा में ठोस परिणाम दें। सरकारी रोजगार योजनाओं जैसे मनरेगा को भी और अधिक प्रभावी बनाना होगा। ग्रामीण इलाकों में यह योजना करोड़ों लोगों के लिए जीवनरेखा साबित हुई है, लेकिन इसमें पारदर्शिता और स्थायित्व का अभाव अब भी चुनौती बना हुआ है। तकनीकी बदलाव के साथ तालमेल बैठाने के लिए "री-स्किलिंग" और "अप-स्किलिंग" कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि जो रोजगार ऑटोमेशन के कारण खत्म हो रहे हैं, उनके स्थान पर नए अवसर तैयार किए जा सकें। महिला रोजगार सशक्तिकरण इस पूरी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। महिलाओं के लिए सुरक्षित और लचीले कार्यस्थल, समान वेतन और मातृत्व सुरक्षा जैसी नीतियाँ अनिवार्य हैं।

जब महिलाएँ आर्थिक रूप से सक्षम होंगी, तब न केवल उनके परिवार बल्कि पूरा समाज प्रगति करेगा। भारत में बेरोज़गारी की समस्या जटिल जरूर है, पर इसका समाधान असंभव नहीं। आवश्यकता है एक समग्र दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, निजी क्षेत्र, शिक्षा संस्थान और समाज सभी की सक्रिय भागीदारी हो। जब युवाओं को कौशल, अवसर और विश्वास मिलेगा, तब वे न केवल अपनी दिशा पाएँगे बल्कि देश को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगे। रोजगार केवल आय का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सामाजिक न्याय का आधार है। यदि भारत इस चुनौती को सामूहिक प्रयासों से सुलझा लेता है, तो वह न केवल आर्थिक रूप से सशक्त, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध राष्ट्र बन सकता है।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

दलित युवक से मारपीट, चार पर एससी-एसटी मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मलपुरा गांव में मामूली विवाद के चलते एक दलित युवक की पिटाई कर दी गई। पीड़ित गोलू पासी ने बताया कि 22 अक्तूबर को गांव के ही आकाश, देवा, राजू और सुनील लोध ने उसे दरवाजे पर बुलाकर लाठी-डंडों से पीटा और जातिसूचक गालियां दीं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट व एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अग्नि पीड़ित परिवार को युवा नेता विनय चौरसिया ने दी आर्थिक सहायता

लालगंज (रायबरेली)। पिलखा गांव में दीपावली की रात किराना व्यापारी अमित साहू के घर लगी भीषण आग में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया था। हादसे में व्यापारी की पत्नी और मासूम बेटा झुलस गए थे। घटना की जानकारी पर युवा नेता व डलमऊ प्रथम से भावी जिला पंचायत प्रत्याशी विनय कुमार चौरसिया मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को नकद आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा देते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में वह परिवार के साथ हैं।

नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने एक युवक पर अपनी 15 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि अरबाज खान, निवासी पूरे जवाहर मजरे मधुकरपुर, उसकी बेटी को 22 अक्तूबर की दोपहर अपने साथ लेकर चला गया। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन लड़की का कुछ पता नहीं चला।मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

आरेडिका में छठ मैया गीतों की गूँज के साथ हुई सूर्य पूजा

लालगंज (रायबरेली): आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के आवासीय परिसर में छठ पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं व पुरुषों ने परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शांति की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव की आराधना की।सुबह से ही परिसर छठ मैया के गीतों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने ठेकुआ, पकवान, गन्ना, फल और रंग-बिरंगे चावल से पूजा सामग्री तैयार की। शाम को डीजे और बैंड बाजों के साथ भक्तजन आरेडिका प्रशासन द्वारा निर्मित सरोवर पहुंचे और अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।छठ पूजा के पौराणिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि भगवान राम व सीता ने रावण वध के पश्चात, पांडवों ने साम्राज्य प्राप्ति हेतु तथा राजा हर्षवर्धन ने राज्य वैभव के लिए सूर्य देव की उपासना की थी। खगोलीय दृष्टि से भी यह पर्व महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि इस दिन सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी पर लाभकारी प्रभाव डालती हैं।लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरपीएफ और निगम के जवानों को सुरक्षा में लगाया गया। सरोवरों की साफ-सफाई व जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई ताकि श्रद्धालु विधिवत पूजा कर सकें।कार्यक्रम में आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा, अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएँ, बच्चे एवं कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीतापुर में दर्दनाक हादसा: डंपर से टकराया ट्रक, एक की मौत

सिधौली (सीतापुर)। अहमदपुर जट के पास हाईवे पर लखनऊ की ओर से जा रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े मौरंग से भरे डंपर को रविवार सुबह पीछे से टक्कर मार दी। इसमें ट्रक के केबिन में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक और डंपर को कब्जे में ले लिया है। हरदोई के गांव महामऊ के जमील ट्रक चलाकर लखनऊ जा रहे थे।

इसी जिले के लखिरियनखेड़ा गांव के तौकीम ट्रक के केबिन में थे। हादसे में दोनो गंभीर घायल हो गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया, जहां तौकीम को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, चालक को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। कोतवालबलवंत शाही ने बताया कि ट्रक और डंपर को कब्जे में ले लिया गया है।

खेत में साफ-सफाई के दौरान मिला टूटा हुआ ड्रोन, महराजगंज में मचा हड़कंप; जांच का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज: कोतवाली क्षेत्र के टूक मजरे ओथी गांव में सोमवार सुबह एक किसान के खेत में साफ-सफाई के दौरान एक टूटा हुआ ड्रोन मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजने का आश्वासन दिया है।

साफ-सफाई के दौरान हुआ खुलासा

गांव निवासी किसान धर्मवीर सिंह उर्फ राजू सिंह के बेटे अभय सिंह सोमवार सुबह गांव के चार मजदूरों को साथ लेकर अपने खेत की मेड़ व नाली की साफ-सफाई करवा रहे थे। इसी दौरान, उनकी नज़र खेत में मिट्टी में धंसे एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पड़ी। मिट्टी हटाने पर पता चला कि वह एक ड्रोन है। हालांकि, जुताई के दौरान ड्रोन में लगे आठ मोटर, पंखुड़ियों सहित उसके कई अन्य पार्ट टूट चुके हैं।

जुताई के दौरान टूटने की आशंका

किसान के बेटे अभय सिंह ने बताया कि हाल ही में खेत में कम्पाइन मशीन से धान की कटाई हुई थी, जिसके बाद शुक्रवार को खेत की जुताई रोटावेटर से कराई गई थी। माना जा रहा है कि धान की पुवाल या फसल अवशेष में फंसा यह ड्रोन जुताई के दौरान ही टूट गया होगा और खेत में धंस गया।

खेत में मिले अज्ञात ड्रोन की सूचना पर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए

क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्हें खेत में ड्रोन मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि किसान से मिले ड्रोन को उसके सभी टूटे हुए पार्ट सहित मंगा लिया गया है। इसे अब जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि इसके स्रोत और उद्देश्य का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुरानगंज मजरे तौली गांव में दबंगों का कब्ज़ा, प्रशासन मौन

महराजगंज (रायबरेली): तहसील व थाना क्षेत्र शिवगढ़ के अंतर्गत पुरानगंज मजरे तौली गांव में दबंग प्रतिपक्षी गढ़ रामराज पुत्र शंभू लाल द्वारा चिकित्सालय की सुरक्षित सरकारी भूमि पर जबरन कब्जा करने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि दबंग पक्ष ने शटरिंग लगाकर स्लैब डालने की तैयारी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने इस अवैध कब्जे की शिकायत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) गौतम सिंह से लिखित रूप में की है। इसके बावजूद राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की निष्क्रियता से दबंगों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम पुलिस व तहसील प्रशासन को चुनौती देते हुए निर्माण कार्य की तैयारी कर रहे हैं। पीड़ित धर्मेंद्र सिंह ने उप जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव के ही दबंग प्रतिपक्षी गढ़ रामराज पुत्र शंभू लाल उनकी तथा चिकित्सालय की सुरक्षित सरकारी भूमि पर गुंडागर्दी के बल पर निर्माण कार्य करा रहा है। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रशासन ने कदम नहीं उठाया, तो वे जिलाधिकारी की चौखट पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। वहीं, इस संबंध में उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि पीड़ित द्वारा शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। राजस्व निरीक्षक व पुलिस बल को मौके पर भेजकर जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवागत एसीपी विकास पांडे ने संभाली कमान, नगराम कस्बे का किया पैदल भ्रमण

● सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिस कर्मियों को सतर्कता और गश्त बढ़ाने के दिए सख्त निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम/लखनऊ। मोहनलालगंज सर्किल क्षेत्र के नवागत क्षेत्राधिकारी (एसीपी) विकास पांडे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद नगराम कस्बे का पैदल भ्रमण कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसीपी विकास पांडे सबसे पहले नगराम थाने पहुंचे, जहां थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

थाने के निरीक्षण के दौरान एसीपी ने अभिलेखों, मालखाना, हवालात और बीट बुक की जानकारी ली तथा थाने की साफ-सफाई और रजिस्टरों के रख-रखाव की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में हर स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाए रखें और नियमित गश्त बढ़ाई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके बाद एसीपी विकास पांडे नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, बैंकों और प्रमुख चौराहों का पैदल भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को परखा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। एसीपी ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता, गुंडागर्दी या असामाजिक गतिविधि को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस हर समय सक्रिय रहेगी और आम जनता को भी इसमें सहयोग करना चाहिए, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद नाजिम, थाना स्टाफ और पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

मां इन्द्रपरी माता मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

● ....हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, संतान प्राप्ति के लिए महिलाओं ने मांगी मनोकामना- जयकारों से गूंजा कनकहा गढ़ी गांव।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। विकास खंड मोहनलालगंज क्षेत्र के कनकहा गढ़ी गांव स्थित मां इन्द्रपरी माता मंदिर में सोमवार को दीपावली के बाद पहले रविवार को आयोजित भव्य वार्षिक मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में लगने लगीं और पूरे दिन माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। दूर-दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां इन्द्रपरी माता के दर्शन कर प्रसाद अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

विशेष रूप से संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली महिलाएं परंपरागत विधि से नारियल, चुनरी, फूल और प्रसाद लेकर मां के दरबार में पहुंचीं। उनका विश्वास है कि मां इन्द्रपरी माता के दर्शन मात्र से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जो महिलाएं संतान की प्राप्ति की कामना लेकर यहां आती हैं, उन्हें संतान सुख प्राप्त होता है। ऐसी अनेक महिलाएं हैं जो मनोकामना पूरी होने के बाद हर वर्ष यहां आकर मां का आशीर्वाद लेने और कृतज्ञता प्रकट करने पहुंचती हैं।

मां इन्द्रपरी माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भारत लाल शर्मा ने बताया कि यह मेला कई दशकों से लगातार आयोजित होता आ रहा है। हमारे पूर्वजों और ग्रामवासियों द्वारा मां इन्द्रपरी माता की स्थापना की गई थी। तब से लेकर आज तक हर वर्ष दीपावली के बाद पहले रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मेले का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से यह धार्मिक परंपरा लगातार जीवंत बनी हुई है।

मेले में ट्रस्ट के अध्यक्ष भारत शर्मा, उपाध्यक्ष अभिषेक दुबे, कोषाध्यक्ष नितिन सिंह, सदस्य अनिल शर्मा, शुभम शर्मा,

अवधेश द्विवेदी, रामलखन द्विवेदी, अमित रावत सहित ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयास से मेला सकुशल संपन्न हुआ। सोमवार को जब मां इन्द्रपरी माता के जयकारों से कनकहा गढ़ी गांव गूंज उठा, तो श्रद्धा और विश्वास का अद्भुत संगम देखने को मिला। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में लगी दुकानों से खरीदारी कर उत्सव का आनंद उठाया। पूरे दिन वातावरण में धार्मिक संगीत, भक्ति और उल्लास की धारा प्रवाहित होती रही। मां इन्द्रपरी माता के इस वार्षिक मेले ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि आस्था जब परंपरा से मिलती है, तो गांव से लेकर जन-जन तक भक्ति का संदेश फैलता है।

किशोर ने पेड़ से फांसी लगाकर किया था सुसाइड पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, परिजनों ने लगाया था हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद ऊके इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के के ग्राम जगना में शनिवार सुबह किशोर का पेड़ पर शव मिलने के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने परिजनों की आशंका को दरकिनार कर दिया है और किशोर की मौत की वजह हैंगिंग (आत्महत्या) किए जाने की बात सामने आई है। परिजनों ने उस वक्त अनहोनी की आशंका जताई थी परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है मालूम हो कि एक 16 वर्षीय किशोर का शव गांव के बाहर नीम के पेड़ से लटकता मिला था। सूचना पाते ही परिजनों और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विनोद कुमार पुत्र रामू निवासी ग्राम जगना के रूप में हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह जब वह घर से निकला, तो कुछ देर बाद ग्रामीणों ने खेतों की ओर एक नीम के पेड़ पर उसका शव लटकता देखा ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी सूचना मिलते ही थाना इमलिया सुल्तानपुर के प्रभारी निरीक्षक श्यामू कनौजिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ बिहार चौकी प्रभारी इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए और घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजकर तफ्तीश की वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि विनोद पढ़ाई के साथ-साथ घर के कामों में हाथ बंटाता था और बीते कुछ दिनों से वह किसी बात को लेकर तनाव में था अचानक शव मिलने के बाद परिजन भी इसे स्वीकार नहीं कर पा रहे थे थाना प्रभारी श्यामू कनौजिया ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आत्महत्या की बात सामने आई है पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है!!

सीमा विवाद में उलझा मांमला आवारा पसुओं से किसान काफी परेशान

मिश्रित सीतापुर/ आचार्य विनोबा भावे जन सेवा संस्थान के प्रदेश मुख्य सचिव रामकृपाल राठौर ने मुख्य मंत्री को संबोधित एक पत्र जिलाधिकारी को देकर निराश्रित गोवंशों से निजात दिलाए जाने की मांग की है। इस पत्र में कहा गया है कि वर्तमान समय ग्राम पंचायत हुमायूंपुर के मजरा दौलतपुर में निराश्रित गोवंशो का आतंक चल रहा है। किसान काफी परेशान चल रहे हैं। यह निराश्रित गोवंश पलक झपकते ही किसानों की फसलों को चट कर जाते हैं। किसानों के भगाने पर यह पासु मारने दौड़ पड़ते हैं। उनका आरोप है। कि प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में अस्थाई गौशालयों का निर्माण कराया गया है। परंतु इन गौशालाओं के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी व ग्राम प्रधान तमांम जन शिकायतों के बाद भी इन गोवंशो को संरक्षित नहीं करा रहे हैं। आपको बता दें कि ग्राम पंचायत हुमायूंपुर मजरा दौलतपुर सीतापुर सदर तहसील और मिश्रित तहसील का आखिरी बार्डर है। जिससे हर समय सीमा विवाद में फंसा रहता है। तमांम जन सिकायतों के बावजूद भी न तो सदर तहसील सीतापुर जिम्मेदार और न ही मिश्रित तहसील के जिम्मेदार इनको संरक्षित नही करा रहे है। जिससे किसान काफी परेशान है। इस लिए सामाजिक संगठन के मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन व प्रदेश शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए इन निराश्रित गोवंशो से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

एसडीएम सदर द्वारा साधन सहकारी समितियों का किया गया औचक निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में उपजिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह द्वारा साधन सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया। उपजिलाधिकारी नैन्सी सिंह तथा नायब तहसीलदार दिनेश चन्द्र तिवारी द्वारा बी पैक्स रंजीतपुर चिलबिला, फेनहा महुली , कुसुमी व सगरा स्थिति समितियों की जांच की गई। बी पैक्स फेनहा महुली कुसुमी व सगरा बन्द पाई गई जिनकी रिपोर्ट जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को प्रेषित की गई। बी पैक्स रंजीतपुर चिलबिला में सचिव आशीष सिंह मौके पर मिले। इनके अभिलेखों का परीक्षण किया गया। स्टॉक में 400 बोरी यूरिया 10 सितंबर को आमद दर्ज मिली जो गोदाम में रखी पाई गई। वितरण रजिस्टर में 04 सितंबर को 36 काश्तकारों को 80 बोरी यूरिया वितरण दर्ज पाया गया। मौके पर काश्तकार मोहन लाल सुरेश नारायण आदि खाद लेने हेतु उपस्थित थे जिन्हें उपजिलाधिकारी ने अपने सामने वितरण कराया। खाद ले गए काश्तकार बलीराम पुत्र कालू से दूरभाष द्वारा यूरिया के रेट के बारे में जानकारी लेकर रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करने हेतु कहा गया। उपजिलाधिकारी नैन्सी सिंह द्वारा बताया गया कि जो समितियां बन्द पाई गई हैं उनकी रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित की जायेगी तथा प्रतिदिन इसी प्रकार जांच की जायेगी। काश्तकारों को खाद क्रय केंद्र पर कोई असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

आस्था का पर्व छठ प्रथम अर्घ्य से शुरू तालाबों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजीपुर। तीन दिनों से चल रहे छठ पर्व का आज से प्रथम अर्घ्य शुरू हो गया जो अगले दिन मंगलवार को सुर्य उदय के साथ इस महा पर्व का समापन हो जायेगा। सोमवार को वर्ती महिलाएं अपने घर से छठी मईया जैसे सुमंगल गीत गाते हुए अपने घरों से जब निकलती और पीछे से पुरुष व बच्चे सिर पर डौरी व कंधे पर गन्ने लिए जब घरों से बाहर निकले तो आस्था का सैलाब सड़कों पर देखने लायक था । इसके साथ ही तालाबों व गंगा घाटों पर वर्ती महिलाओं का मनोरम दृश्य ऐसा लगता है की मानो स्वर्ग से सभी देवी देवता स्वर्ग से निचे उतर आये हो । गाजीपुर जनपद के बाराचवर गांव समेत मांका मोहम्मदपुर के तालाबों पर छठ के प्रथम अर्घ्य के समय मेले जैसा दृश्य बन गया था । तालाबों के चारों तरफ मंगल गीत से गुजमान हो रहा था ।

मान्यताओं के अनुसार माता सीता ने भी छठ का व्रता रखा और सूर्य की पूजा की थी। महाभारत में भी छठ पूजा का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि द्रोपदी ने भी सूर्य की उपसना की थी। इसके अलावा स्वयं सूर्य पुत्र कर्ण भी गंगा स्नान के बाद घंटों कमर तक जल में खड़े रह कर सूर्य की उपासना करते थे। यह भी मान्यता है कि मगध नरेश जरासंध ने भी अपने कुष्ठ रोग को दूर करने के लिए ज्योतिषियों की सालाह पर गंगा के जल में खड़े रह कर सूर्य की पूजा किया करता था।

'अखिल भारतीय विज्ञान दल तथा नर्वदेश्वर ग्रुप आफ कॉलेजेज द्वारा देशभर के वैज्ञानिकों, कलाकारों और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अखिल भारतीय विज्ञान दल और नर्वदेश्वर ग्रुप ऑफ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में "स्वर्गीय राधेश्याम शुक्ल-लीलावती देवी सम्मान समारोह" बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय विज्ञान दल की संस्थापिका स्वर्गीय लीलावती देवी जी की छठवीं पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित किया गया।समारोह का आरंभ विज्ञान दल के अध्यक्ष डॉ0 मृदुल शुक्ल द्वारा माता-पिता की आरती से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा के पूर्व सांसद पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर डॉ0 अशोक बाजपेई, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बीकेटी के विधायक योगेश शुक्ल, प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर, लखनऊ की महंत दिव्या गिरी महाराज, नर्वदेश्वर ग्रुप आफ कॉलेजेज के चेयरमैन प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी और संस्थापक प्रोफेसर नरेंद्र मणि त्रिपाठी उत्तर प्रदेश सरकार में डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर डॉ0 अखिलेश मिश्र आई ए एस ने दीप प्रज्वलित कर उपस्थित सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, कलाकारों, चिकित्सकों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। स्वर्गीय राधेश्याम शुक्ल लीलावती देवी सम्मान पाने वालों में, डॉ0 मृदुल शुक्ल, डॉ0 संतोष कुमार शुक्ला वरिष्ठ वैज्ञानिक, अखिल भारतीय विज्ञान दल की उपाध्यक्ष रेनू शुक्ला, विश्व के 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में सुमार डॉ0 रुद्र देव त्रिपाठी, नोएडा मेडिकल कॉलेज के कमांडेंट डॉ यादवेंद्र सिंह यादव, लखनऊ विश्वविद्याल के डॉ. सौरभ मालवीय, दुर्गा कला केंद्र की श्रीमती अंजनी द्विवेदी, इनोवेटर आशुतोष पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व प्लानिंग कमीशन की डायरेक्टर डॉ0 आनंदेश्वरी अवस्थी, वीर राघव भागवत संस्कृत महाविद्यालय की प्राचार्य मनोरमा देवी, दुर्गा कला केंद्र लखनऊ की प्रबंधक अंजनी द्विवेदी अखिल भारतीय विज्ञान दल की कोषाध्यक्ष विजयलक्ष्मी पांडे लखनऊ इनोवेटर सेल के प्रेसिडेंट तुमुल शुक्ल लखनऊ शहर के व्यवसाय और इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष रमेश मिश्रा लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सौरव मालवीय विकलांग खिलाड़ियों के कोच हिमांशु मणि पैरालंपिक के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हर्षवर्धन मणि त्रिपाठी टेबल टेनिस एवं फुटबॉल खिलाड़ी यशवर्धन मणि त्रिपाठी राजकुमार त्रिपाठी सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रधानाचार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाराबंकी लोक गायकी की क्षेत्र में जानवी पांडे बायोटेक पार्क के सलाहकार डॉ0 शिव पूजन शुक्ल केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के मुख्य प्रधान वैज्ञानिक डॉ0 श्रीकांत रथ, देव प्रकाश मिश्र सिद्धार्थ तिवारी सामाजिक कार्यकर्ता अनीता तिवारी, शिक्षक मृत्युंजय प्रसाद मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत शुक्ल, योग गुरु प्रशांत शुक्ल डॉ0 किरण गुप्ता असिस्टेंट प्रोफेसर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु , सामाजिक कार्यकर्ता कृति पांडे सामाजिक कार्यकर्ता बृजेंद्र मिश्र, अंकित शुक्ल निकेत, सुषमा शुक्ला, प्रोफेसर अनुराग पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप शाही, बाराबंकी के डॉ0 पी0के0 तिवारी लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 सत्यभूषण वर्मा, दीप शिखा, काजल, सुखदा शर्मा, स्तुति यादव, सामाजिक कार्यकर्ता रेनू राय, फार्मासिस्ट राकेश पांडे, शिक्षक नम्रता पांडे, समेत अनेक प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे। कार्यक्रम में काव्य-संध्या का आयोजन भी हुआ, जिसमें रितु श्रीवास्तव, पियूष योगी, गौरव गौरवान्वित और झमाझम बैशबारी ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने की और संचालन डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने किया। सभी सम्मानित जनों को शाल, मोमेंटो और प्रमाणपत्र भेंट किए गए। मुख्य अतिथि राज्य सभा के पूर्व सदस्य डॉ अशोक बाजपेई ने कहा कि "भारत ने सदैव सीमित संसाधनों में भी अद्भुत वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।" विधायक योगेश शुक्ला ने कहा कि "विज्ञान सोचने, सवाल करने और आगे बढ़ने की कला है।" डॉ0 मृदुल शुक्ला ने कहा कि विज्ञान दल भारतीय जीवनशैली में निहित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुँचा रहा है।" प्रो0 दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने अपने भाषण में कहा कि "विज्ञान और संस्कृति का संगम ही भारत की असली शक्ति है।" समापन अवसर पर सभी वक्ताओं ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे विज्ञान को रोजगार नहीं, नवाचार का माध्यम बनाएं, जिससे भारत आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बन सके।

असलहाधारी बदमाशों ने की कार सवार डांसरों से लूट लाखों के जेवर लूट कर बदमाश हुए फरार इलाके में फैली सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सदरपुर थाना क्षेत्र में रविवार रात नृत्य कार्यक्रम में जा रही महिलाओं के साथ हुई रोड होल्डअप कर लूट की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई असलहाधारी 4 बदमाशों ने कार सवार डांसरों का रास्ता रोककर सोने के जेवरात लूट लिए। बताया जा रहा है कि लूटे गए जेवरों की कीमत करीब पांच लाख रुपए से अधिक है हालांकि पुलिस अभी गहनों की लूट से इनकार कर रही है घटना सदरपुर थाना क्षेत्र के रूसहड़ गांव मार्ग पर हुई जानकारी के अनुसार, सरैया के बृजवासी मंडी क्षेत्र की चार नृतकी महिलाएं रविवार देर शाम एक कार से रूसहड़ गांव में आयोजित नृत्य कार्यक्रम में जा रही थीं बताया जाता है कि कार्यक्रम का आयोजन सागर पुत्र रामनरेश नामक युवक ने किया था, जिसने फोन पर नर्तकियों को बुक किया और लोकेशन भेजी थी बताया जाता है कि महिलाएं जब लोकेशन के अनुसार नहर पटरी मार्ग पर पहुंचीं, तो सड़क पर एक पेड़ की डाल पड़ी देखकर चालक ने कार रोक दी इसी बीच झाड़ियों में छिपे चार नकाबपोश बदमाश अचानक बाहर आए और असलहे के बल पर महिलाओं को धमकाते हुए उनसे सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए घटना के बाद महिलाओं ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी खबर मिलते ही सदरपुर थाना पुलिस व क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद घटनास्थल पर पहुंचे और जांच

शुरू की पुलिस ने पूरे क्षेत्र की नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश ने बताया कि पीड़िताओं के बयान दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है गहनों के लूट की घटना की जांच की जा रही है घटना के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं इस वारदात से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है!!

रेलवे लाइन पर मिला किशोरी का शव इलाके में मचा हड़कंप पुलिस जांच में जुटी, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे लाइन पर एक 17 वर्षीय किशोरी का शव मिला बताया जा रहा है कि किशोरी ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी मृतका की पहचान परवीन बानो पुत्री अलीमुद्दीन निवासी ग्राम गोधना थाना अटरिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की दोपहर करीब 1 बजे सिधौली क्षेत्र के मनवा हॉल्ट रेलवे ट्रैक के समीप खंभा नंबर 46/8 के पास एक युवती का शव पड़ा मिला आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की बताया जा रहा है कि किशोरी किसी कारणवश ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई सूचना पाकर घटना स्थल पर परिजन भी पहुंचे और बेटी का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कीट बैग में रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है फिलहाल पुलिस ने घटना को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है स्थानीय लोगों का कहना है कि किशोरी किसी वजह से घर से बाहर निकली थी, लेकिन कैसे ट्रेन की चपेट में आई यह स्पष्ट नहीं हो सका है पुलिस सभी

पहलुओं पर जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक सिधौली के अनुसार, पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा!!

संक्षिप्त खबरें

कही चिटफंड के शिकार व्यौहारी क्षेत्र की जनता तो नही हो रही

आकाश पथ नामक ग्रुप में तीन साल में डबल मुनाफा का दे रही लालच क्या सही है- जॉच का विषय

शहडोल से इन दिनों समूचे व्यौहारी में यह चर्चा का विषय है कि 1 करोड़ रू. निवेष कर तीन साल में डबल राषि एवं कार व निवास के जमीन आकाश पथ नामक ग्रुप द्वारा दिए जाने का प्रलोभन सुर्खियों में है। क्या भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक व म.प्र. सरकार से पंजीकृत मान्यता प्राप्त ऐसी ग्रुप है जो आम जनता को इस तरह का लालच देकर क्षेत्र की भोली भाली जनता को भरोषा दिलाया जा रहा है कि तीन साल में डबल मुनाफा पाकर आकाश पथ ग्रुप का लाभ उठाए स्थानीय नागरिको ने इस पर जिला प्रषासन व स्थानीय प्रषासन से शीध्र संज्ञान में लेकर जॉच कर वास्तविकता को उजागर करने की मांग की है जिससे मेहनत व गाड़ी कमाई का पैसा कहीं गलत किसी चिट फंट कम्पनी के रूप में नही किया जा रहा है।

नोएडा में ऊंची इमारत से गिरने से युवक की मौत

अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था।

नोएडा में 29 वर्षीय एक मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) की कथित तौर पर सेक्टर 74 में स्थित एक आवासीय सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वह व्यक्ति कुछ दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह हाल में एक ऑनलाइन ऐप के ज़रिए जुड़ा था। सेक्टर 113 पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) के जी शर्मा ने बताया, मृतक की पहचान अलीगढ़ निवासी शुभम कुमार के रूप में हुई है। वह रविवार सुबह सेक्टर 74 स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिर गया। अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था। घटना के बाद कुमार को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी ने बताया, मामले में जांच जारी है। घटनाक्रम का पता लगाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मेड़ बांधने को लेकर विवाद में चचेरे भाई को कुल्हाड़ी से काट डाला, आजमगढ़ पुलिस के हिरासत में आरोपी

आजमगढ़। सिरही मनोरथपुर दुबौली गांव में खेत में मेड़ बाधने को लेकर दो चचेरे भाइयों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा का की एक भाई ने दूसरे भाई की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना में शामिल चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दुबौली गांव निवासी 40 वर्षीय जितेंद्र चौहान व चचेरा भाई सुग्गन चौहान गांव के बाहर सिवान में स्थित खेत में टीन शेड डाल कर अगल-बगल रहते थे। शनिवार की सुबह सुग्गन चौहान खेत में बंटवारे को लेकर बने मेड़ की छंटाई कर रहा था। जितेंद्र के विरोध करने पर दोनों के बीच विवाद होने लगा, विवाद इतना बढ़ा कि शाम होते होते सुग्गन, उसकी पत्नी पार्वती देवी, पिता इंद्रपाल, मां राबड़ी देवी लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर जीतेंद्र पर टूट पड़े। बीच बचाव करने पहुंची जितेंद्र की पत्नी आशा देवी भी चोटिल हो गई। जितेंद्र के अधमरा होने पर सभी आरोपित छोडकर अपने घर चले गए। स्थानीय लोगों की मदद से स्वजन गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया पहुंचे। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं पत्नी आशा को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों लोगों में अक्सर मेड़बंदी को लेकर विवाद होता रहता था। जीतेंद्र राजमिस्त्री का कार्य कर अपने परिवार की जीविका चलाता था। मौत की खबर मिलते ही पत्नी आशा, मां चनौती देवी, पिता मुसाफिर चौहान, दस वर्षीय बेटा सुमित, आठ वर्षीय सरिता और छह वर्षीय संजू का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सुग्गन मजदूरी करता है। थाना प्रभारी मंतोष सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है।

पंजाबः बठिंडा की अदालत में पेश हुई कंगना रनौत, बुजुर्ग महिला पर टिप्पणी को लेकर मांगी माफी

● हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की पंजाब के बठिंडा की अदालत में आज उनकी पेशी हुई. जहां, उन्होंने किसान आंदोलन के समय दिए गए अपने बयान पर खेद जताया और कहा कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हिमाचल के मंडी से बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने किसान आंदोलन के दौरान बुजुर्ग महिला को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांग ली है. सोमवार को बठिंडा कोर्ट में पेश हुई कंगना रनौत ने अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा है कि हर माता मेरे लिए पूजनीय है चाहे वो पंजाब की हो या हिमाचल की हो. मैंने किसी व्यक्ति विशेष के लिए टिप्पणी नहीं की थी. मैने केवल एक मीम को रिपोस्ट किया था. कोर्ट में कंगना ने पीड़ित पक्ष से कहा कि अगर आपको मेरे बयान से ठेस पहुंची तो मैं खेद जताती हूं।

ये मामला उस समय का है जब किसान आंदोलन के दौरान कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पंजाब की एक बुजुर्ग महिला को लेकर टिप्पणी की थी. कंगना ने एक 87 साल की बुजुर्ग किसान को 100-100 रुपए लेकर धरने में शामिल होने वाली महिला बताया था. बठिंडा जिले के गांव बहादरगढ़ जंडियां की रहने वाली उस बुजुर्ग महिला ने अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाया था. इसके बाद पंजाब के कई हिस्सों में किसानों और सामाजिक संगठनों ने कंगना के बयान का कड़ा विरोध किया था।

कोर्ट में कुछ सालों से लंबित था केस

ये केस पिछले कुछ सालों से अदालत में लंबित था. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कंगना रनौत की वो याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने केस को रद्द करने की मांग की थी. सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि कंगना रनौत को बठिंडा की अदालत में पेश होकर कार्यवाही में सहयोग करना होगा. इसी आदेश के तहत आज कंगना अदालत में पेश हुईं।

कोर्ट ने मामले को रद्द करने से किया इंकार

पिछले कुछ सालों में ये केस कई कानूनी चरणों से गुजरा है. निचली अदालत ने कंगना को कई समन जारी किए. समन का उन्होंने जवाब नहीं दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए कार्यवाही में शामिल होने का उनका अनुरोध भी अस्वीकार कर दिया गया. पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कंगना ने न केवल एक पोस्ट शेयर की थी, बल्कि बुजुर्ग महिला को निशाना बनाते हुए अपनी अलग टिप्पणी भी जोड़ी थी. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए निचली अदालत ने कंगना को 27 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया।

नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भाग लेजाने दुष्कर्म करने वालेअभियुक्त को छावनी पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष छावनी जनार्दन प्रसाद के नेतृत्व मे व उनकी टीम द्वारा थाना छावनी पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या- 252/2025 धारा-65(1)/87/137(2) BNS व 5रु/6 पास्को एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त 1. वीरेंद्र कुमार पुत्र स्व0 गया प्रसाद निवासी सहसराव थाना हरैया जनपद बस्ती उम्र 20 वर्ष जो फरार चल रहा था आज दिनांक 28.10.2025 रहमटिया कट (नया बाईपास) थाना छावनी जनपद बस्ती से समय 11.15 बजे पर नियमानुसार पुलिस हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

वीरेंद्र कुमार पुत्र स्व0 गया प्रसाद निवासी सहसराव थाना हरैया जनपद बस्ती उम्र 20 वर्ष।

गिरफ्तार करने वाली टीम

थानाध्यक्ष श्री जनार्दन प्रसाद थाना छावनी जनपद बस्ती।

व0उ0नि0 श्री सत्येन्द्र यादव थाना छावनी जनपद बस्ती ।

का0 विपुल यादव थाना छावनी जनपद बस्ती।का0 चंद्रकेश प्रजापति थाना छावनी जनपद बस्ती।

सिलापथार में आस्था और अमर परंपरा का पर्व छठ पूजा का आयोजन

● जुबिन गर्ग द्वारा गाया कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय, गाने से गूंज उठा छठ घाट।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आस्था ओर अमर परंपरा का पर्व है छठ पूजा हर वर्ष के तरह इस बार भी सिलापथार के राधा कृष्ण मंदिर आंगन, संतोषी माता मंदिर, एम ई एस के छठ पूजा घाट सहित सिलापथार सार्वजनिक छठ घाट में श्रद्धालुओं का बीड़ दिखाई दी।

सिलापथार सार्वजनिक छठ घाट पूजा समिति ने इसबार 69 वर्षीय छठ पूजा जुबिन गर्ग को श्रद्धांजली देते हुए जुबीन गर्ग ने गाया कांच ही बांस के बहंगिया,बहंगी लचकत जाय इस गाने से छठ पूजा का शुभारंभ किया।

असम में निर्धारित समय अनुसार शाम 4.36मिनिटी पर डूबते हुए सूरज को अर्घ देकर व्रती महिलाओं ने पूजा अर्चना किया। महिलाओं ने धूप दीप जलाकर फलों से नैवेद्य चढ़ाकर घर के लिए निकल गई। पूजा समिति ने मीडिया के दिए जानकारी अनुसार कल सुबह उगते हुए सूर्याअर्घ से पूजा सम्पन्न कर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

आरडब्ल्यूए फोन ग्रुप में साइबर हैकिंग का मामला, सामने आया है महासचिव ने साइबर क्राइम सेल से सख्त कार्रवाई करने की मांग

● अमित कुमार सिंह पर आरडब्ल्यूए ग्रुप हैक करने एवं पदाधिकारियों को हटाने और धमकाने के गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के दिलशाद गार्डन स्थित पॉकेट-डी की रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) में एक गंभीर साइबर प्रकरण सामने आया है। आरडब्ल्यूए के महासचिव शशांक शर्मा ने नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली साइबर क्राइम शाखा को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि स्थानीय निवासी अमित कुमार सिंह ने बिना अनुमति आरडब्ल्यूए के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप को हैक कर खुद को एडमिन बना लिया और सभी पदाधिकारियों को एडमिनशिप से हटा दिया।शिकायत के अनुसार, यह घटना 12 अक्टूबर 2025 की रात करीब 3:30 बजे की है, जब आरोपी अमित कुमार सिंह ने मोबाइल नंबर 7377379123 से यह साइबर अपराध किया गया। शर्मा का कहना है कि अमित ने ग्रुप में अनुचित, भ्रामक और अपमानजनक संदेश भेजकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष और महासचिव सहित अन्य पदाधिकारियों की छवि धूमिल करने का प्रयास किया।अमित कुमार पर धमकी और दुर्व्यवहार के भी आरोप लगाये हैं।शिकायत में आगे कहा गया है कि अमित कुमार सिंह पॉकेट में बिना अनुमति के व्यावसायिक दुकान चलाता है, और अपने व्यवसायिक हितों के लिए समाजहित के कार्यों का विरोध करता है।

हाल ही में जब आरडब्ल्यूए ने स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए फ्री हाउस टैक्स कैंप आयोजित किया, तो आरोपी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि "इससे उसकी कमाई पर असर पड़ता है।"आरडब्ल्यूए महासचिव शर्मा का आरोप है कि कैंप के दौरान आरोपी ने स्थानीय इंटरनेट सेवा प्रदाता को फोन कर वाइफाई बंद करवाने की धमकी दी, और ऐसा न करने पर आरडब्ल्यूए सदस्य घनेन्द्र (सोनू) को जान से मारने तथा उनके बच्चे के अपहरण की धमकी तक दे डाली।पूर्व प्रधान पर भी सहयोग करने का आरोप लगाया आरडब्ल्यूए की शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने अपने साथ कुछ अन्य लोगों को भी एडमिन बनाया,जिनमें एक पूर्व महिला प्रधान और उनकी बेटी का नाम भी शामिल है। महासचिव के कहे अनुसार, यह वही परिवार है, जिन्होंने पूर्व में भी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के विरुद्ध झूठे आरोप लगाए थे।आरडब्ल्यूए की मांग है कि कड़ी कार्रवाई और आरोपी को पॉकेट से निष्कासित किया जाए।

घटना से पॉकेट-डी के सभी निवासियों में रोष व्याप्त है। महासचिव शशांक शर्मा और अध्यक्ष मनीष सांखला (सैनी) ने संयुक्त रूप से पुलिस से अपील की है कि इस साइबर अपराध की गहन जांच कर आरोपी के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आरोपी को पॉकेट से निष्कासित करने की मांग भी की जा रही है।

सीतापुर में AIMIM का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सपा छोड़ AIMIM का दामन थामा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। आज इतवार को सीतापुर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) का ऐतिहासिक एवं शानदार कार्यक्रम ज़िला अध्यक्ष नियाज़ हुसैन की अगुवाई में बड़ी सफलता के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष जनाब हाजी शौकत अली साहब ने घोषणा की कि AIMIM पार्टी सीतापुर की सभी विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि सपा मुसलमानों को बीजेपी का डर दिखाकर उनका राजनीतिक दोहन कर रही है, लेकिन अब जनता जाग चुकी है और मुसलमान अपनी सियासी ताक़त खुद पहचानेंगे।

वहीं सेन्ट्रल प्रदेश अध्यक्ष जनाब शेख ताहिर सिद्दीकी साहब ने अपने संबोधन में कहा कि ज़िला अध्यक्ष नियाज़ हुसैन की मेहनत और लगन से सीतापुर में का संगठन दिन-ब-दिन मज़बूत हो रहा है। इंशाअल्लाह वह दिन दूर नहीं जब सीतापुर AIMIM का सबसे मज़बूत ज़िला बनेगा। इस मौके पर प्रोग्राम के आयोजक नियाज़ हुसैन (ज़िला अध्यक्ष, AIMIM सीतापुर) ने कहा कि यह सफलता सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता का नतीजा है। उन्होंने सभी जिम्मेदार साथियों को प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए दिल से मुबारकबाद दी और शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम में पार्टी संगठन को और मज़बूती देने के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ भी की गई –

शिशिर पाण्डेय एडवोकेट को ज़िला महासचिव तथा अमरदीप सिंह को ज़िला मुख्य महासचिव नियुक्त किया गया, साथ ही लहरपुर विधानसभा अध्यक्ष की भी घोषणा की गई। प्रोग्राम की सबसे अहम बात यह रही कि सैकड़ों की तादाद में सपा के कार्यकर्ताओं ने AIMIM पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिससे कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में मौजूद रहे —

यासीन खान (कोषाध्यक्ष), शब्बू खान (नाती) (ज़िला सचिव), कलाम मिर्ज़ा (ज़िला सचिव), शादाब गाज़ी (उपाध्यक्ष), उलवी खान (ज़िला सचिव), जावेद हाशमी (उपाध्यक्ष), मौलाना साद (यूथ ज़िला अध्यक्ष), तसीन अंसारी (यूथ ज़िला महासचिव), मो. अजमल (विधानसभा अध्यक्ष, सीतापुर), सरताज खान (सचिव), नसीम (ज़िला उपाध्यक्ष), मियां (उपाध्यक्ष), और अतहर अंसारी (ब्लॉक परसेंडी महासचिव) सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम AIMIM पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता, संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के जोश का बेहतरीन उदाहरण साबित हुआ।

छठ व्रती महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

● जिले के विभिन्न छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सूर्य उपासना के महापर्व छह के तीसरे दिन सोमवार को आस्था, उल्लास और समर्पण का अनूठा समन्वय छठ घाटों पर नजर आया।उसका बाजार, सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सोमवार को कस्बा के कूड़ा नदी के विभिन्न छठ घाटों पर व्रती महिलाओं द्वारा डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया है। चार दिन तक चलने वाला यह व्रत में मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूर्ण होगा। यह महिलाओं द्वारा धारण किये जाने वाला कठोर व्रत है। उसका कस्बा साहित समूचे क्षेत्र में इस त्योहार को लेकर काफी उत्साह है। सांध्य अर्घ्य के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल, प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय , समाजसेवी मयंक पाण्डेय , सभासद सूरज मोदनवाल, कल्लू पासवान, विभूति अग्रहरि,राकेश आर्या, विशाल अग्रहरी, मनीष अग्रहरी, आशीष अग्रहरी, सोमनाथ मिश्र, सुरेंद्र पाण्डेय, समीर कश्यप, सुनील जायसवाल आदि रहे।

शोहरतगढ़। सुर्य उपासना का छठ्ठ महापर्व पर शिवबाबा घाट पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दे सुख-समृद्धि की कामना की। नगर पंचायत के शिवबाबा छठ्ठ घाट पर श्रद्धालुओं की पांच हजार से अधिक भीड़ रही।आस्था के इस संगम में हर कोई डुबकी लगाने के लिए आतुर दिखा। शिवबाबा छठ्ठ घाट पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल व विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, पत्नी बबिता वर्मा ने लोक कल्याण के लिए अस्त्चलगामी सुर्य को अर्घ्य दिया। शिवबाबा सरोवर के घाट पर बिजली की रंग बिरंगे सजावट लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।व्रती महिलाओं ने बेदी पर अखण्ड ज्यौति जलाकर सूप में नारियल, गन्ना, सिंघाड़ा, ठेकुआ, केला मूंगफली, नींबू आदि रखकर सुर्य को अर्घ्य दिया। शिवबाबा छठ्ठ घाट पर एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, सीओ मयंक द्विवेदी, थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,सभासद राजकुमार मोदनवाल, बब्लू गौड़,वकील खां, सौरभ गुप्ता, शिवशंकर उमर, शिवप्रसाद वर्मा, शिवशक्ति शर्मा, व्यापार संगठन अध्यक्ष शोहरतगढ़ इकाई आनंद कसौधन, रामसेवक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

गोल्हौरा। छठ महापर्व पर गोठवा , टेडिया घाट, डडवा घाट पर सोमवार को व्रती महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया।इस दौरान व्यवस्थापक गौरव कुमार निषाद, हनुमान, विमल चौरसिया, अनिल वर्मा, रामानंद केवट, दिनेश मौर्या, प्रबंधक मोहन कुमार निषाद, थानाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता मय टीम के साथ उपस्थित रहे।

नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र के छठ घाट बर्डपुर कस्बे के पूरब श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। व्रती महिलाओं छठ माता की आराधना की। शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर मंगल कामना की। इस दौरान माहौल भक्तिमय रहा। छठ घाट पर मेले जैसा माहौल रहा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुनने, सभासद प्रतिनिधि राम विलास यादव, विपिन रावत, कमरूद्दीन आदि उपस्थित रहे।

झांसी में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक महिला की मौत, एक दर्जन से ज़्यादा घायल

झांसी जनपद के थाना समथर इलाके में रतनगढ़ माता मंदिर के लिए जवारे लेकर जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से एक महिला की मृत्यु हो गई है जबकि एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अरविंद कुमार ने बताया कि रविवार देर रात जनपद के ग्राम धौरका, पूंछ से ग्रामीण परिवार सहित ट्रैक्टर से जवारे लेकर मध्य प्रदेश स्थित रतनगढ़ माता मंदिर जा रहे थे। रविवार रात मध्य प्रदेश की सीमा पर समथर के निकट स्थित पहुंच नदी के पास उनका ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया जिसमें दब जाने के कारण ग्राम धौरका निवासी सीता पत्नी कमलेश राजपूत (32) की मृत्यु हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक महिलाएं-बच्चे घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। अन्य सभी लोग खतरे से बाहर बताए गए है। ट्रैक्टर ट्रॉली में अधिकांश महिलाएं एवं बच्चे बैठे हुए थे बाकी सभी ग्रामीण पीछे पैदल चल रहे थे।

चोटिल श्रेयस अय्यर के लिए क्या-क्या करेगी BCCI? देगी ये सभी सुविधाएं

● टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे के दौरान गंभीर चोट का सामना करना पड़ा था. उन्हें कैच पकड़ते समय पसलियों में चोट लग गई थी. ऐसे समय में श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई की ओर से खास मदद मिलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे के दौरान गंभीर चोट का सामना करना पड़ा. मैदान पर एक कैच पकड़ने के चलते उनकी पसलियों में चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अय्यर को इंटरनल ब्लीडिंग की शिकायत के चलते एहतियातन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है. इस घटना ने क्रिकेट फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी है, और सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस मुश्किल समय में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अपने इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट प्लेयर को किस तरह की मदद देगी।

श्रेयस अय्यर को ये सुविधाएं देगी BCCI

श्रेयस अय्यर, जो भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान हैं, बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में भी शामिल हैं. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई की पॉलिसी काफी साफ और मददगार हैं, खासकर चोट के मामलों में. बोर्ड ने अपने कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट की अच्छी व्यवस्था कर रखी है, ताकि वह बिना किसी चिंता के अपनी रिकवरी पर ध्यान दे सकें।

BCCI की मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम

बीसीसीआई ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों के लिए एक खास मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम लागू कर रखी है. इस स्कीम के तहत, देश के लिए खेलते समय लगी चोटों के इलाज का पूरा खर्च कवर करती है. श्रेयस अय्यर के मामले में, उनके अस्पताल में भर्ती होने, आईसीयू में इलाज और बाकी इलाज के से जुड़े सभी खर्चों को इस इंश्योरेंस स्कीम के तहत कवर किया जाएगा।

BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में स्थित है, जो खिलाड़ियों की रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए एक वर्ल्ड क्लास सेंटर है. श्रेयस अय्यर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विशेषज्ञ डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्ट, ट्रेनर और स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज और रिहैबिलिटेशन की सुविधा मिलेगी. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अत्याधुनिक उपकरण और तकनीकें उपलब्ध हैं, जो खिलाड़ियों को जल्द से जल्द मैदान पर वापसी करने में मदद करती हैं. अय्यर की चोट की गंभीरता को देखते हुए, उनकी रिकवरी प्रोसेस को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विशेषज्ञों की ओर से मॉनिटर किया जाएगा, ताकि वह पूरी तरह स्वस्थ होकर क्रिकेट में वापसी कर सकें. इस दौरान उन्हें एक भी रुपए खर्च नहीं करना होगा।

IPL 2021 में ना खेलने पर मिले थे 7 करोड़ रुपए

बता दें, बीसीसीआई अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ियों को फाइनेंशियल सपोर्ट भी करती है. अगर कोई क्रिकेटर देश के लिए खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो जाता है और आईपीएल में नहीं खेल पाता है, तब उसे पूरी सैलरी दी जाती है. साल 2021 में श्रेयस अय्यर एक वनडे मैच खेलते समय बाएं कंधे में चोट लगने के कारण आईपीएल के 14वें सीजन में हिस्सा नहीं ले पाए थे. तब दिल्ली कैपिटल्स ने अय्यर को 7 करोड़ रुपए का पूरा वेतन दिया था।